INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

34690

विक्रय पत्र

विक्रय पत्र अंकन : 3,94,250/ रूपये
स्टाम्प पेपर अंकन : 39,500 रूपये

मैं कि राजेन्द्र पुत्र श्री भौंरा निवासी ग्राम दुरयाई परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद (फरीक अव्वल, विक्रेता)

मैसर्स यूनिमार्क इन्फोटेक्नोलोजी प्रा0 लि0 पंजीकृत कार्यालय मदर्स फार्म 6, ग्रीन मीडोज सतबरी, दिल्ली – 30, द्वारा श्री राकेश उप्पल पुत्र श्री बृजमोहन उप्पल, ए– 334 शिवालिक नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी द्वितीय पक्ष (फरीक दोयम क्रेता)

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth.Signatory

Tejendra Singh

९२८

15 MAY 2006

क्रम संख्या .... दिनांक [illegible]

[illegible]

स्टाम्प क्रेता .... मै. मुनिमाक इन्फोटेक्नोलोजी प्रा. लि. मंडी मार्ग दिल्ली [illegible]

स्टाम्प की धनराशि 5000/-

Rohitash Kumar

रोहिताश कुमार स्टाम्प विक्रेता

लाईसेंस नम्बर 295.

[illegible]

चैम्बर नं० 70, [illegible]

स्टाम्प 5000 .... 20 ....

राकेश उपाध्याय

श्री .... बृज मोहन उपाध्याय

वासी .... A 334 [illegible]

[illegible]

आज दिनांक 15/5/06

[illegible]

15/5/06

[illegible]

धनराशि 354 2005

जिसमें से रु. ....

[illegible]

श्री .... राजेन्द्र S/o [illegible] R/o ग्राम [illegible]

[illegible] राकेश उपाध्याय

श्री ....

वासी ....

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

भारत

पाँच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

11 MAY 2006

'34691

(2)

विक्रीत भूमि का विवरण

(1) स्थित ग्राम नायफल परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद (उ0प्र0), कृषि भूमि खाता नं0 211 के खसरा नं0 115 रकबई 0.1900 हैक्टेयर का 1/2 भाग अर्थात 0.095 हैक्टेयर खतौनी 1410 ता 1415 फसली जिसका फरीक अव्वल (विकेता) पूर्णतया स्वामी व विक्रयअधिकारी, संक्रमणीय भूमिधर दर्ज मालकागजात है, का बैनामा हाजा में विक्रय किया गया । विक्रीत भूमि मुझ फरीक अव्वल (विक्रेता) की पैतृक भूमि है जिसके मुझ फरीक अव्वल से पहले मेरे पिता स्व0 श्री भौरा पुत्र स्व0 श्री रघुबीर सिंह मालिक थे ।

(2) विक्रीत भूमि कृषि भूमि है। जो किसी भी मुख्य मार्ग अथवा लिंक मार्ग पर स्थित नही है। भूमि मुख्य मार्ग से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है तथा संक्रमणीय भूमिधरी की भूमि है। जिसका सरकारी सर्किल रेट 7,41,341/— रूपये प्रति हैक्टेयर है लेकिन इस विक्रय पत्र में सर्किल रेट के दोगुने से अधिक रू0 41,50,000/रूपये प्रति हैक्टेयर की दर से अंकन 3,94,250/—रूपये (तीन लाख चौरानबे हजार दो सौ पचास रू0 मात्र) मूल्य पर सरकारी स्टाम्प अदा किया गया है।

राजेन्द्र

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth.Signatory

Ch. No-29
GHAZIABAD

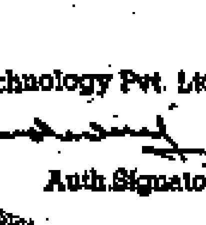

223/282

15 MAY 2006

स्टाम्प के मूल्य 5000/-

Rohitash Kumar

विक्रेता

295

सब रजिस्ट्रार प्रथम

5/5/06

Mujahid Husain

रिवत ... है।

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

34692

(3)

(3) विक्रेता अनुसूचित जाति एंव अनुसूचित जनजाति से नहीं है। विक्रेता ने श्रीमान् तहसीलदार महोदय से यह प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया है कि वह अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति से नही है।

(4) विक्रीत भूमि ग्राम समाज, भूदान, वक्फ, पट्टे आदि की भूमि नही है और न ही निष्क्रान्ति व शत्रु संपत्ति है और न ही इस पर कोई किसी प्रकार का विवाद है इस सन्दर्भ मे विक्रेता ने संबन्धित श्री मान् तहसीलदार महोदय से प्रमाणँ पत्र प्राप्त कर लिया है। तथा विक्रीत भूमि किसी भी सरकारी अथवा अर्द्ध सरकारी कार्य हेतू अधिग्रहण के लिये अधिसूचित नहीं की गयी है।

(5) विक्रीत भूमि कृषि भूमि है जिसके विक्रय में स्टाम्प अधिनियम की धारा 27(I) का सत्यतापूर्वक अनुपालन किया गया है।

(6) विक्रीत भूमि खाता नं0 211 के खसरा नं0 115 रकबई 0.1900 हैक्टेयर का 1/2 भाग अर्थात 0.095 हैक्टेयर, स्थित ग्राम नायफल परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद को आज इस विक्रय पत्र के द्वारा विक्रय किया जा रहा है । अब विक्रित भूमि चक्त में विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण व वारिसान का कोई भाग व कुर्रा शेष नही रहा है।

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth Signatory

295/221 ... 2006

क्रम संख्या .... तिथि ....5.............

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन ....

स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता 5 श्री [illegible]

....

स्टाम्प की धनराशि 5000 ....

Rohitash Kumar

रोहताश कुमार स्टाम्प विक्रेता

लाईसेंस नम्बर 295.

[illegible]

चैम्बर नं० 70, तहसील [illegible], गाजियाबाद

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

C 34851

(7) विक्रेता ने विक्रीत भूमि का प्रमाणित खसरा, खतौनी, व नक्शा व अपना जाति प्रमाण पत्र, पहचान पत्र व विक्रीत भूमि से संबधित बारह साला प्रमाण पत्र भी विक्रय पत्र के साथ संलग्न किया है।

(9) विक्रीत भूमि उक्त आज दिन तक मुझ फरीक अव्वल (विक्रेता) की ओर से हर प्रकार के बन्धक भार व सरकारी देनदारी आदि से मुक्त है कही अन्य जगह आड, रहन, बय, हिबै, महायदाबय व जमानत सरकारी व अर्द्ध सरकारी व निजी रूप आदि में ग्रस्त नही है।

(10) विक्रीत भूमि उक्त पर कोई बैंक ऋण व बिजली या अन्य किसी प्रकार का ड्यूज भी नही है। इस विक्रय भूमि से संबधित किसी भी प्रकार का विवाद–ग्रस्त मामला किसी भी मान्य न्यायालय व सरकारी व अर्द्धसरकारी विभाग/कार्यालय में न तो दर्ज है और न ही लम्बित है। और न ही किसी निर्णीत आदेश का क्रियान्वन ही लम्बित है।

(11) विक्रीत मिल्कियत उक्त के विक्रय मे कोई दोष व त्रुटि नही है हर प्रकार के वाद विवाद से मुक्त है उपरोक्त वर्णित /उल्लिखित भूमि के संबध मे मुझ विक्रेता ने किसी अन्य व्यक्ति, कम्पनी आदि के हक में कोई मौखिक करार, वसीयतनामा व विक्रय अनुबंध–पत्र, विक्रय पत्र, किसी भी कार्यालय में पंजीकृत व अपंजीकृत, पूर्व में न तो निष्पादित किया है और न ही कराया है तथा

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth.Signatory

स्टाम्प क्रय करने का ....

[illegible] .... [illegible]

[illegible]

स्टाम्प का [illegible] 5000/- ....

[signature]

[illegible] स्टाम्प विक्रेता

[illegible] 307

[illegible] 2008

[illegible]

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. R५5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

C 34852

न ही नोटरी द्वारा सत्यापित हुआ है। यदि भविष्य में इस संबध में कोई भी वसीयतनामा, विक्रय अनुबंध/विक्रय पत्र प्रस्तुत करके विवाद उत्पन्न किया जाता है तो वह विवाद अमान्य व निष्प्रभावी होगा। तथा इसके जिम्मेदार फरीक अव्वल व उनके वारिसान होगे ।

(12) मुझ विकेता को विक्रय पत्र मे वर्णित उक्त खाता नं0 211 खसरा नं0 115 स्थित ग्राम नायफल परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद के अपने हिस्से के पूंण भाग को बेचने का स्वतन्त्र अधिकार पूर्णतः प्राप्त है। मुझ विक्रेता को वास्ते तरक्की काश्त एंव अन्य निजी आव यकता हेतू पैसों की आवश्यकता है तथा मुझे अपनी उक्त भूमि की उचित कीमत क्रेता से मिल रही है। अतः मुझ विकता ने अपनी खुशी से बिना किसी दबाव व धमकाव के, बरजामंदी, शुद्व बुद्वि व स्वस्थ इन्द्रियों की दशा में अपने पारिवारिक सहमति से मय समस्त अधिकार मालिकाना, काबिजाना, दाखिली–खारिजी, काश्त भराई, हर किस्म कब्जा गर्ज के जो कुछ भी अधिकार मुझ विक्रेता को विक्रीत भूमि से प्राप्त थे उससे कुछ बचा हुआ नहीं रहा है आदि आदि को आज की तारीख में विक्रय धनराशी अंकन 3,94,250 रूपये (तीन लाख चौरानबे हजार दो सौ पचास रूपये मात्र) जिसके आधे अंकन 1,97,125/– (एक लाख सतानबे हजार एक सौ पच्चीस) रूपये होते है के एवज में हाथ फरीक दोयम क्रेता उपरोक्त मैंसर्स यूनिमार्क इन्फोटेक्नोलोजी प्रा0 लि0 पंजीकृत कार्यालय मदर्स फार्म 6, ग्रीन मीडोज सतबरी, दिल्ली–30, द्वारा श्री राकेश उप्पल पुत्र श्री बृजमोहन उप्पल, ए– 334 शिवालिक नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी द्वितीय पक्ष को बैय कर दिया है यानि

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth. Signatory

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन...

स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता [illegible]

....

स्टाम्प की धनराशि 5000/-...

[illegible] गुप्ता स्टाम्प विक्रेता

[illegible] नम्बर 3[illegible]7

[illegible] 31 [illegible] 2006

[illegible], [illegible]

5000Rs.

C 34853

कतई बेच दिया है और भूमि की कुल विक्रय धनराशी मुझ विक्रेता ने क्रेता से प्राप्त कर लिया है। अब कुछ भी विक्रय धनराशि बाकी नही रही है।

(13) विक्रय भूमि का कब्जा मौके पर क्रेता का पूर्ण वास्तविक रूप से करा दिया है जिसके क्रेता पूर्णतःमालिक काबिज दखिल बन गये है उनको सर्वथा अधिकार है कि वह उक्त भूमि को जिस प्रकार चाहे बहैसियत मालकाना प्रयोग में लावें।

राजेन्द्र

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth.Signatory

[illegible]

[illegible] श्री [illegible]

स्टाम्प [illegible] 5700/-

[illegible] स्टाम्प विक्रेता

[illegible] 307

[illegible] 31 मार्च 2006

[illegible]

उत्तर प्रदेश

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

F 35816

(14) विक्रेता, विक्रीत भूमि के बाबत समस्त कागजात मे बजरिये बैनामा दाखिल खारिज मालकागजात में कराकर क्रेता का नाम दर्ज करवायेगा या वो स्वंय दर्ज करवा सकते है तथा आव यक प्रपत्रों पर जहाँ चाहे हस्ताक्षर मुझ फरीक अव्वल से करा सकते है, मुझ फरीक अव्वल को कोइ एतराज नहीं होगा।

(15) अतः अब विक्रय पश्चात विक्रीत भूमि की मिलकियत भूमि में निहित हित व उसके मूल्य धन तथा किसी अंश से विक्रेता व वारिसान विक्रेता का, अब कोई संबध बाकी नही रहा और न कभी रहेगा।

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd

Auth.Signatory

स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता ....

स्टाम्प की धनराशि ... 1000

राजकुमार

लाइसेंस

ऑफिस का पता

वेंडर नं०

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

631113

(16) विक्रीत भूमि पर आज दिन तक फरीक अव्वल/विक्रेता की ओर कोई भार निकला ओर निकला हुआ भार क्रेता या स्थानापन को अपने पास से अदा करना पडा अथवा विक्रेता के अनाधिकार से या वारिसान विक्रेता की दावेदारी या किसी कानूनी नुक्स आदि से विक्रय भूमि कुल अथवा उसका कोइ अंश क्रेता या उसके वारिसान या स्थानापन के कब्जे मालकाना से निकल जाये, तो हर ऐसी दशा के उत्पन्न होने पर फरीक अव्वल/ विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण पूर्ण रूपसे जिम्मेदार होगे तथा क्रेता व उसके स्थानापन व उत्तराधिकारीगणों को पूर्ण अधिकार होगा कि अपने पास से अदा किये गये भार की तथा कब्जे से निकल जाने वाली भूमि की धनराशी को मय हर्जे खर्चे प्रथम पक्ष विक्रेता व विक्रेता वारिसान की चल व अचल सम्पत्ति से जिस प्रकार चाहे वसूल करा सकते है जिस पर फरीक अव्वल/विक्रेता को कोई आपत्ति नही होगी।

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth.Signatory

राजेन्द्र

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन ....

स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता ....

....

स्टाम्प की धनराशि 1000

राजकुमार [illegible]

लाईसेंस [illegible]

लाईसेंस की अवधि [illegible]

सीरियल नं० 26 [illegible]

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२000रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

631114

(९)

(17) यह कि फरीक अव्वल ने विक्रीत भूमि के स्वामित्व से संबंधित सभी मूल दस्तावेज(मूल बैनामा पूर्ण श्रृंखला ,दान पत्र, वसीयत, मूल पटटा, व न्यायालय के आदेश की प्रमाणित प्रति आदि) जो विक्रेता के पास उपलब्ध है, उन्हे क्रेता को सौंप दिया हैं ।

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth Signatory

राजेन्द्र

स्टाम्प [illegible] .... पता ....

स्टाम्प की [illegible] ... 10 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] नं० 25 [illegible]

उत्तर प्रदेश

1000Rs.

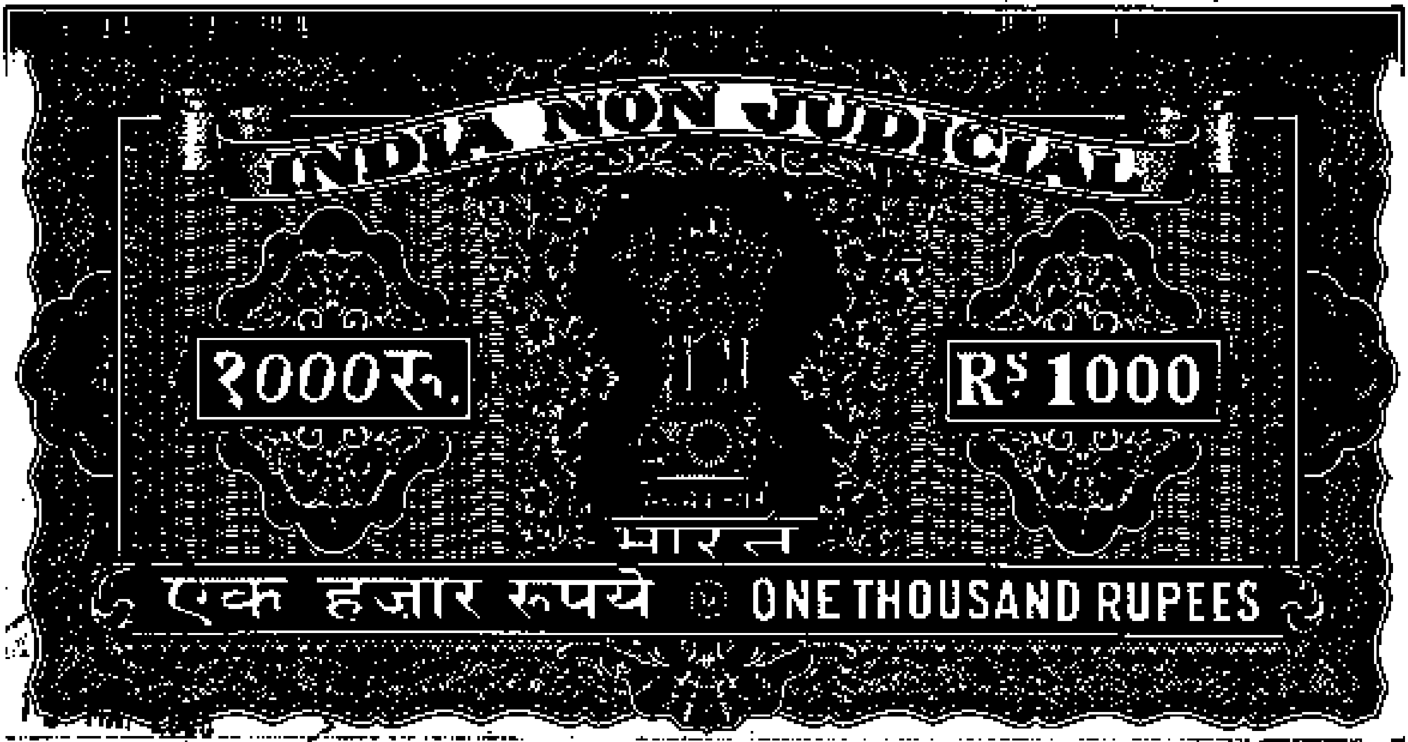

631115

(10)

(18) विक्रय पत्र का समस्त खर्चा क्रेता ने वहन किया है।

(19) अतः यह विक्रय पत्र खूब सोच समझ कर, सुनकर पढ़ कर गवाहों की उपस्थिति में लिख दिया गया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवें।

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth.Signatory

स्टाम्प क्रय करने का प्रयोजन ....

स्टाम्प क्रेता का नाम व पूरा पता .... 22/ ......

....

स्टाम्प की धनराशि 100/-

राजकुमार गुप्ता स्टाम्प विक्रेता

लाईसेंस नम्बर ... 1 ...

लाईसेंस की अवधि 31 ...

चैम्बर नं० 26 तहसील ...

1000Rs.

631116

(11)

(20) विक्रेता ने विक्रीत भूमि रकबाई 0.095 हैक्टेयर, खाता नं0 211 खसरा नं0 115 स्थित ग्राम नायफल परगना डासना तहसील व जिला गाजियाबाद के निमित्त निम्न विवरण के अनुसार विक्रय धनराशी प्राप्त कर ली है:–

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth.Signatory

राजेन्द्र

[illegible] का नाम व पूरा पता ....

[illegible]

[illegible]

(12)

(अ)....सिंडिकेट बैंक शाखा शकुंतला अपार्टमेन्ट, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली चैक नं0 103868 दिनांक 15.05.2006 की राशि रू0 3,94,250/— (तीन लाख चौरानवे हजार दो सौ पचास रुपये मात्र) द्वारा फरीक अव्वल ने अब सम्पूर्ण धनराशि प्राप्त कर ली गयी है।

For Unimark Info Technology Pvt. Ltd.

Auth. Signatory

(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा)
फरीक अव्वल (विक्रेता)

राजेन्द्र

(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा)
फरीक दोयम (क्रेता)

गवाह नं0 1
श्री सतीराम पुत्र श्री डोरेराम
निवासी ग्राम — परगना —
तहसील —
जिला —

Mujahid Husain

गवाह नं0 2
श्री — पुत्र श्री —
निवासी ग्राम — परगना —
तहसील —
जिला —

तहरीर दिनांक :15.5.2006

Advocate
Ch. No. 97, Civil Court
GHAZIABAD. (U.P.)

05 MAY 2006

क्र० संख्या 222/222

बही नं० I जिल्द नं० 6622 के पृष्ठ 95 से 120 नम्बर 4305

को आज दिनांक 5/5/06 को रजिस्ट्री की गयी।

स० र० प्रथम

गाजियाबाद

FORM NO. 29
(RULE 827)
CERTIFICATE OF SEARCH

Certificate No......[illegible]/08.............
Application No....[illegible]/08...................

Shri ......[illegible]............... here applied to me for a Certificate given particulars of registered acts and encumbrance if any in respect of the under mentioned
[illegible]

(To be soats & described as given in the application)

I have certify that search has been made in book I and in the annexed relating have to from the year ....[illegible]......... to the year....[illegible]..... for ract and encumbrances efficient the said property and that on such the following facts and encumbrances [illegible]

No.	Description of the property is given in the documents	date of execution	Tenure & value of document	Name of the Parties Execution claimed	Reference No Year
	[illegible]				

I also certify that have there aforesaid act and encumbrances on the acts affecting the said prepares have been found

Prepared by:

(Lignatuto)
Designation

Signature of Registrar

Office: [illegible]
Date : [illegible]

SEAL

NOTES

1. The acts and encumbrances shown in this certificate at those discovered with reference to the described in request read documents in cannot different from law in which the applicant has described those transaction evidenced by such documents will not be included in the certificate.
2. The required search has been made as carefully as possible by office but the department will not be held accountable itself responsible for or ors in the result of seface ebodied in the certificate
3. This certificate does not include documents if any which has been presented but have been registered up to date.

सेवा में,

शाखा प्रबन्धक
आर्यावर्त ग्रामीण बैंक
.... [illegible] ....

विषय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) के सम्बन्ध में ।

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका खाता सं ...811... खसरा नं0 ......115... रकबा ...0.190...... स्थित ग्राम ...[illegible]... .... परगना ...डासना..... तहसील ...[illegible].......... जिला ...गाजियाबाद...... । मुझ प्रार्थी को उपरोक्त भूमि मैं0 उप्पल चड्ढा हाई टेक डेवेलपर्स प्रा0 लि0 को बेचना है । इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) की आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है ।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) प्रदान करने की कृपा करें ।

धन्यवाद

No Agr. Dues
25/4/06

प्रार्थी [signature]

...राजेन्द्र... पुत्र ... भोरा ...
...निवासी ... [illegible].......

सेवा में

शाखा प्रबन्धक
यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया
..... डासना ....

विषय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) के सम्बन्ध में ।

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका खाता स. 211 खसरा न0 115 रकबा 0.190 ...... स्थित ग्राम [illegible] .... परगना डासना .... तहसील ... ग0 .... जिला गाजियाबाद । मुझ प्रार्थी को उपरोक्त भूमि मै0 उप्पल चड्ढा हाई टैक डेवेलपर्स प्रा0 लि0 को बेचना है । इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) की आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है ।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) प्रदान करने की कृपा करें ।

धन्यवाद

No dues with us
a/c [illegible]

कृते यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया
प्रबन्धक
[illegible]

प्रार्थी

राजेन्द्र पुत्र [illegible]
नि0 [illegible]

वरिष्ठ प्रबन्धक

[illegible] बैंक लि०

[illegible] गाजियाबाद

उद्धरण खतौनी (शासकीय कार्य हेतु)

01/05

ग्राम क्रमांक : 16010208090 ग्राम का नाम : नायफल परगना : डासना तहसील : गाजियाबाद

जनपद : गाजियाबाद फसली वर्ष : 1410-1415 भाग : 1

खाता खतौनी क्रम संख्या	खातेदार का नाम	पिता / पति / संरक्षक का नाम	निवास स्थान	मौमिक अधिकार प्रारम्भ होने का फसली वर्ष	खाते के प्रत्येक गाटे की खसरा संख्या	प्रत्येक गाटे का क्षेत्रफल (हे.)	खातेदार द्वारा देय मालगुजारी या लगान	परिवर्तन सम्बन्धी आज्ञा या उसका सारांश उनको संख्या तथा दिनांक सहित और आज्ञा देने वाले अधिकारी का पद	टिप्पणी
1	2			3	4	5	6	7-12	13
श्रेणी : 1-क	भूमि जो संक्रमणीय भूमिधरों के अधिकार में हो।								
00211	सुखबीर सिंह रामपाल सिंह सतबीर सिंह राजेन्द्र	श्यामा श्यामा श्यामा भौरा	दुरयाई प.दादरी दुरयाई प.दादरी दुरयाई प.दादरी दुरयाई प.दादरी	पू.1386	115	0.1900		अनुदेश नुसार श्रीमान तह0महो0 मि0नं0 1298/31-08-06 को आदेश हुआ कि खाता सं0 211 के खसरा नं0 115 रकबा 0.1900 मा0गु0 6.55 के बकदर भाग से विक्रेता राजेन्द्र पुत्र भौरा निवासी ग्राम दुरयाई परगना डासना तहसील व जिला गा0बाद का नाम खारिज करके क्रेता मेसर्स यूनिमार्क इन्फोटैक्नोलोजी प्रा0लि0 पंजीकृत कार्यालय मदर्स फार्म 6, ग्रीन मीडोज सतबरी, दिल्ली-30 द्वारा राकेश उप्पल पुत्र बृज मोहन उप्पल ए-334, शिवालिक नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी का नाम बतौर बैनामा दर्ज होवे ह0आर0के0	
				कुल गाटे :	1	कुल क्षे : 0.1900	6.55		

हस्ताक्षर

09/11/2006

TO WHOM IT MAY CONCERN

LEGAL OPINION CUM SEARCH REPORT

Dear Sir,

I have examined the documents (Khasra, Khatauni and Search Certificate) and old revenue records available regarding the property given below and on basis of documents provided by you, I have prepared a detail report in respect of the property mentioned here in below:-

Sl.No	Particulars	Response
1	Name and Address of the owner/s	Rajendra son of Bhaura resident of Village- Duriyai, Pargana, Tehsil Dadri Distt - Gautambuddha Nagar
2.	Respective shares	1/2 share in the property
3.	Detail of the property to be acquired	Khata No 211 Khasra No 115 Area 0.190 Hect situated at Vill-Naital, Pargana- Dasna, Tehsil & Distt- Ghaziabad Sold Area-0.095 Hect.
4	Category of tenure holder	Tenure holder has transferable right
5	Caste	Caste certificate is not attached
6.	(i) Charges or lien over the property by Bank etc	According to khatauni no charges or lien found on sold property
7.	(ii) Whether NOC/No dues for transfer of land is required (from Mortgaged Bank/ financer/Money Lender, if any)	NOC from U.P.Sahkari Gram Vikas Bank, Ghaziabad Union Bank of India Dasna and SBI, Dasna is annexed with file
8.	Details of Register search in the office of Sub-Registrar	As per Search Certificate bearing no. 440/06 issued by Sub Registrar I Ghaziabad, no encumbrance found over the property
9.	Revenue records inspected during investigation	1) C.H-45 2) Khatauni of fasli year 1386-1391 3) Khatauni of fasli year 1392-1397 4) Khatauni of fasli year 1398-1403 5) Khatauni of fasli year 1404-1409 6) Khatauni of fasli year 1410-1415

Document	Name endorsed	Khasra No.	Khata No.	Comments/Order
CH-45	Shyama, Bhaura sons of Raghubir	115	190	Recorded as Sirdar
Khatauni fasli year 1386-1391	Shyama, Bhaura sons of Raghubir	115	190	Vice order passed by R.I the name of Sukhbir Singh, Rampal Singh, Satbir Singh sons of

				Shyama are endorsed in place of Late Shyama as his legal heirs.
Khatauni fasli year 1392-1397	Sukhbir Singh, Rampal Singh, Satbir Singh sons of Shyama and Bhaura son of Raghubir	115	148	Recorded as Bhumidhar
Khatauni fasli year 1398-1403	Sukhbir Singh, Rampal Singh, Satbir Singh sons of Shyama and Bhaura son of Raghubir	115	157	Vide order dated 2.08.92 passed by R.I. the name of ***Rajendra*** son of Bhaura is endorsed in place of Late Bhaura as his legal heirs.
Khatauni fasli year 1404-1409	Sukhbir Singh, Rampal Singh, Satbir Singh sons of Shyama and ***Rajendra*** son of Bhaura	115	156	....
Khatauni fasli year 1410-1415	Sukhbir Singh, Rampal Singh, Satbir Singh sons of Shyama and ***Rajendra*** son of Bhaura	115	211	Vide order dated 31.08.2006 passed by Tehsildar in case no.1298/06, in khata no. 211 the name of purchaser *M/s Unimark Infotechnology Pvt. Ltd.*, is mutated in place of seller ***Rajendra from his share.***
10.	Specific comments	Seller has 1/2 Share in property and he has sold his full share of Khasra no 115		
11.	Remarks:	On the basis of the document and records available, the name of the aforesaid owner/s is endorsed in the revenue records and title chain is complete. Seller/s has/have clear, marketable and transferable rights. ***Address of seller in sale deed and mutated khatauni is wrongly mentioned. This must be corrected.***		

Date :

For-JURIX-PRO

(Benkat Raman Singh)
Advocate